मिटाएँ और बनाएँ

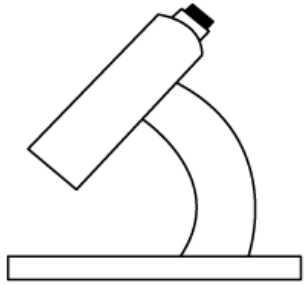

चरण १: किसी भी वस्तु का हाथों से बनाया हुआ रेखाचित्र एक समूह को दीजिये।

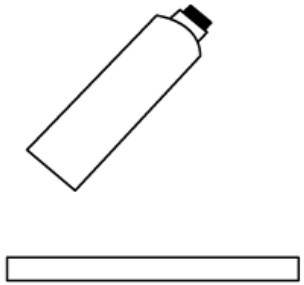

चरण २: समूह के पहले सदस्य को रेखाचित्र का कोई भी 'एक हिस्सा' मिटाना है और कागज़ अगले सदस्य को देना है।

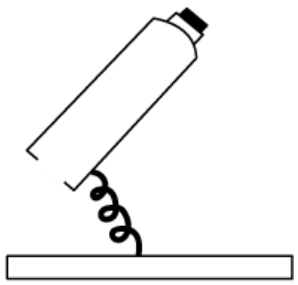

चरण ३: अब, दूसरे सदस्य को मिटाये गए भाग पर कुछ आरेखित करना है। उसके बाद, वही सदस्य को रेखाचित्र का 'कोई अलग भाग' मिटा कर कागज़ तीसरे सदस्य को देना है।

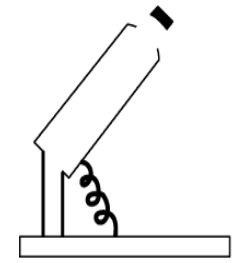

चरण ४: पिछले चरण के जैसे ही, तीसरे सदस्य को भी मिटाये गए भाग पर कुछ आरेखित करना है और एक नया भाग मिटा कर कागज़ चौथे सदस्य को देना है।

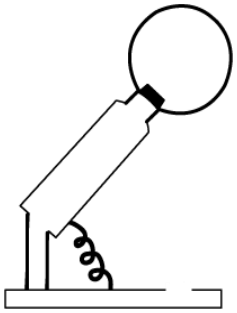

चरण ५: सब को बराबर का मौका मिलने तक सदस्य कागज को आगे बढ़ाते रहेंगे और नए भाग जोड़ते रहेंगे।

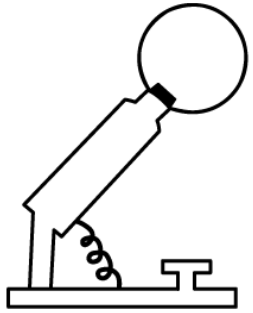

चरण ६: अंतिम रेखाचित्र एक उपयोगी वस्तु या एक नया आविष्कार होना चाहिए!

यह एक सरल डिज़ाइन कार्य है जिससे छात्रों में लॅटरल थिंकिंग (एक अलग दृष्टिकोण से समस्या का हल सोचना), और समूह कार्य कौशल और रचनात्मकता विकसित की जा सकती है। इस कार्य के लिए आपको ४ से ६ व्यक्ति चाहिए।

ध्यान दें

1. यह संपूर्ण क्रिया पारदर्शी तरीके से होनी चाहिए। समूह का हर सदस्य ये देख सकता है कि बाकी सदस्य क्या कर रहे हैं। लेकिन, वे एक–दूसरे से बात और इशारा नहीं कर सकते।

2. प्रारंभिक रेखाचित्र के लिए शिक्षक कोई भी एक विषय का चयन कर सकते हैं (जैसे शिक्षा, विज्ञान, अंतरिक्ष, पशु, आदि) या किसी भी वस्तु का आरेखण दे सकते हैं। ध्यान दें कि सदस्यों को रेखाचित्र के कुछ हिस्सों को मिटाना और जोड़ना है इसलिए रेखाचित्र हाथ से बनाएं और यह प्रिंट आउट नहीं होना चाहिए।

3. याद रखें, पहले सदस्य को केवल चित्र में से कुछ मिटाना है और कुछ नया नहीं जोड़ना है।

4. सभी परिवर्तन रेखाचित्र में एक उपयोगी जोड़ हो भी सकते है अथवा नहीं भी हो सकते हैं।

5. ध्यान दें, कि आखरी सदस्य को रेखाचित्र में केवल कुछ जोड़ना है। वह किसी भी हिस्से को मिटाये नहीं। अंतिम रेखाचित्र एक उपयोगी वस्तु या एक नया आविष्कार होना चाहिए!

मिटाएँ और बनाएँ

पृष्ठभूमि

नए विचारों की कल्पना करना डिज़ाइन के प्रमुख चरणों में से एक है। अनुसंधान हमें कई विभिन्न योजनाओं का सुझाव देते हैं जिससे नवीन और रचनात्मक विचार उत्पन्न किये जा सके। ब्रेनस्टॉर्मिंग एक रचनात्मक तरीका है जिसका उपयोग विशेषकर दलों में बेझिझक कल्पना और विचार करने के लिये किया जाता है। यह एक क्रिया है जहां सदस्य एक–दूसरे के सामने अपने विचार प्रस्तुत करते हैं और चर्चा के माध्यम से एक साथ डिज़ाइन समाधान की खोज करते हैं।

क्रॉस (1997) सुझाते है कि कॉम्बिनेशन (विभिन्न विचारों का संयोजन) और म्यूटेशन (संरचना में बदल करके नए समाधान खोजना) ये कुछ तरीकें हैं जो रचनात्मक डिज़ाइन प्रक्रिया में सहायता करते हैं। हालांकि, अनुभवहीन डिज़ाइनर अक्सर इन तरीकों का सफलतापूर्वक उपयोग करने और मूल कल्पना के तरफ ले जानेवाले संभावनाओं की खोज में चुनौतियों का सामना कर सकते हैं (Cross, 2004)।

“मिटाएँ और बनाएँ” यह समूहकार्य ब्रेनस्टॉर्मिंग का एक दृश्य रूप है जिसका उद्देश्य एक दूसरे के विचारों पर रचनात्मक डिज़ाइन विकसित करना है। इस कार्य में, सदस्य रेखाचित्र में किये गए हर बदलाव के बाद चित्र और विचारों को लगातार समझने की कोशिश करते हैं। सदस्य रेखाचित्र के कुछ हिस्सों को मिटाके नए तत्वों को जोड़ते हैं, जिससे लॅटरल थिंकिंग (deBono, 1990) का विकास होता है। लॅटरल थिंकिंग रचनात्मक विचार करने के लिए एक आवश्यक कौशल है। ऐसी गतिविधियाँ प्रारंभिक विचार से कुछ अलग करने के लिए असंबंधित विचारों को एक साथ लाकर कल्पनाशक्ती और समूह सोच को उत्तेजित कर सकती हैं।

संदर्भ

Cross, N. (1997). Descriptive models of creative design: Application to an example, *Design Studies, 18*, 427-440.

Cross, N. (2004). Expertise in design: an overview. *Design Studies, 25*, 427-441.

de Bono, E. (1990). *Lateral thinking: Creativity step By step.* New York: Harper Perennial.